Need to expedite commissioning of pending BSNL mobile towers and BSNL 4G mobile services in a time bound manner- Laid

डॉ. प्रशांत यादवराव पडोले (भन्डारा-गोंदिया) : यह विषय देश की दूरसंचार अवसंरचना की गंभीर समस्या को उजागर करता है, विशेषकर बीएसएनएल के मोबाइल टावरों की भारी कमी, जो ग्रामीण, जनजातीय और सीमावर्ती क्षेत्रों में डिजिटल पहुंच को प्रभावित करती है । वर्तमान में बीएसएनएल के पास लगभग 1.2 लाख टावर हैं, जबकि निजी कंपनियों के पास 4 से 5 लाख टावर हैं । विशेषज्ञों के अनुसार, राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर सेवा के लिए बीएसएनएल को कम से कम 2.5 लाख टावरों की जरूरत है । सरकार ने बीएसएनएल को एक लाख नए 4 जी टावर लगाने की अनुमति दी है, लेकिन अभी लगभग 70,000 ही चालू हो पाए हैं, जिसके कारण कई क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या, कॉल ड्रॉप और धीमी डेटा सेवा बनी हुई है । नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (C&AG) ने भी बीएसएनएल में प्रबंधन की खामियों को उजागर किया है, जैसे कि निजी कंपनियों से टावर उपयोग शुल्क के ₹1,700 करोड़ की वसूली न करना । मैं माननीय संचार मंत्री से आग्रह करता हूँ कि वे बीएसएनएल के लंबित टावरों को शीघ्र चालू कराएं, 4 जी विस्तार समयबद्ध रूप से पूरा करें, देरी और राजस्व हानि के लिए जवाबदेही तय करें, और प्रबंधन सुधार लागू करें । मजबूत दूरसंचार अवसंरचना के बिना डिजिटल इंडिया का लक्ष्य पूरा नहीं हो सकता ।